



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 2, 1990/पोष 12, 1911
No. 4] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 2, 1990/PAUSA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

इत्यान और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1990

का.आ. 4(अ) :- केन्द्रीय सरकार, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957, (1957 का 87) की धारा 26 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन उसके द्वारा प्रयोज्य शक्तियों का प्रयोग निम्नलिखित खनिजों की बाबत परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन परमाणु खनिज प्रभाग, हैदराबाद एकक के निदेशक द्वारा भी किया जा सकेगा, अर्थात् :-

(क) बेरिल और अन्य बेरिलियम-खनिज धारक ;

- (ख) लिथियम-खनिज धारक;
- (ग) यूरेनियम और थोरियम वाले "दुष्प्राप्त जमीन" समूह के खनिज;
- (घ) नियोबियम-खनिज धारक;
- (ङ) यूरेनियम वाले फ़ास्फोराइट और अन्य फ़ास्फेटिक अवस्क;
- (च) पिचब्लेंड और अन्य फ़ास्फेटिक अवस्क;
- (छ) स्टाइल;
- (ज) टैटालियम-खनिज धारक;
- (झ) यूरेनियम एलानाइट, मोनाजाइट और अन्य थोरियम खनिज;
- (ञ) यूरेनियम-तामबा और स्वर्ण निष्कर्षण के पक्वान अवस्क से बने हुए पुष्क धारक, इन्मेनाइट और अन्य टिटेनियम अवस्क;
- (ट) जिर्कोन; और
- (ड) परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के अर्धीत विहित पदार्थ के रूप में अधिगूचिन कोई अन्य खनिज ।

[सं. 1(8)/89/एम-6]

सुरेन्द्र मिश्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

ORDER

New Delhi, the 2nd January, 1990

S.O. 4(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 26 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under clause (b) of sub-section (2) of section 5 of the said Act, shall also be exercised by the Director, Atomic Minerals Division, Hyderabad, a unit under the Department of Atomic Energy, in respect of the following minerals, namely :—

- (a) Beryl and other beryllium-bearing minerals;
- (b) Lithium-bearing minerals;
- (c) Minerals of the "rare earths" group containing Uranium and Thorium;
- (d) Niobium-bearing minerals;

-
- (e) Phosphorites and other phosphatic ores containing Uranium ;
 - (f) Pitchblende and other uranium ores ;
 - (g) Rutile ;
 - (h) Tantalum-bearing minerals ;
 - (i) Uraniferous allanite, monazite and other thorium minerals ;
 - (j) Uranium-bearing tailings left over from ores after extraction of copper and gold, ilmenite and other titanium ores ;
 - (k) Zircon; and
 - (l) any other mineral notified as prescribed substance under clause (g) of sub-section (1) of section 2 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962) .

[No. 1 (8) 89-M.VI.]

SURENDRA MISHRA, Jt. Secy.

